

श्रीः
श्रीमते रामानुजाय नमः
श्रीमते निगमास्तुमहादेशिकाय नमः

श्रीमद्वाल्मीकीये श्रीमदानन्दरामायणे सारकाण्डे

॥ श्रीरामाष्टकम् ॥

This document has been prepared by

Sunder Kidāmbi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam

श्रीः
श्रीमते रामानुजाय नमः
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्रीरामाष्टकम् ॥

श्रीशिर उराच
सुग्रीरमित्रं परमं परित्रं
सीताकलत्रं नरमेघगात्रम्।
कारुण्यपात्रं शतपत्रनेत्रं
श्रीरामचन्द्रं सततं नमामि ॥ 1 ॥

संसारसारं निगमप्रचारं
धर्मारतारं हतभूमिभारम्।
सदाहरिकारं सुखसिन्धुसारं
श्रीरामचन्द्रं सततं नमामि ॥ 2 ॥

लक्ष्मीरिलासं जगतां निरासं
लक्ष्मरिनाशं दुरनप्रकाशम्।
दुन्देवरसासं शरदिन्दुहासं
श्रीरामचन्द्रं सततं नमामि ॥ 3 ॥

मन्दारमालं रचने रसालं
गुणैरिशालं हतसप्ततालम्।
क्रूर्यादकालं सुरलोकपालं
श्रीरामचन्द्रं सततं नमामि ॥ 4 ॥

वेदान्तगानं सकलैः समानं
हतारिमानं त्रिदशप्रधानम्।

গজেন্দ্রযানং রিগতারসানং
শ্রীরামচন্দ্রং সততং নমামি ॥ 5 ॥

শ্যামাভিরামং নযনাভিরামং
গুণাভিরামং রচনাভিরামম্।
বিশ্বপ্রণামং কৃতভক্তকামং
শ্রীরামচন্দ্রং সততং নমামি ॥ 6 ॥

লীলাশরীরং রণরঙ্গধীরং
বিশ্বৈকসারং রঘুরংশহারম্।
গম্ভীরনাদং জিতসর্ভরাদং
শ্রীরামচন্দ্রং সততং নমামি ॥ 7 ॥

খলে কৃতান্তং স্বজনে বিনীতং
সামোপগীতং মনসা প্রতীতম্।
রাগেণ গীতং রচনাদতীতং
শ্রীরামচন্দ্রং সততং নমামি ॥ 8 ॥

শ্রীরামচন্দ্রস্য বরাষ্টকং ব্রাং
মযেরিতং দেবি মনোহরং যে।
পঠন্তি শৃণ্বন্তি গুণন্তি ভক্ত্যা
তে স্বীয়কামান্ প্রলভন্তি নিত্যম্ ॥ 9 ॥

॥ শ্রীরামাষ্টকং সমাপ্তম্ ॥